शिक्षा सम्बल का अच्छा शिक्षक बनने में योगदान

शिक्षा संबल कार्यक्रम हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड तथा विद्या भवन सोसायटी के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित सरकारी विद्यालयों में शिक्षा व्यवस्था सुधार का एक कार्यक्रम है। मैं हरीश सुथार जून 2016 को विज्ञान के शिक्षक (F.I.) के रूप में इस कार्यक्रम से जुड़ा। जिसके तहत मुझे रा.उ.मा. विद्यालय साकरोदा, बिछड़ी तथा जिंक स्मेल्टर तीनों राजकीय विद्यालयों में कार्य करने का अवसर मिला।

इस कार्यक्रम से जुड़ने पर, प्रारंभ में सरकारी विद्यालयों की कक्षाओं में अध्ययन करवाने में मैंने थोड़ा असहज महसूस किया। कई मौकों पर विद्यार्थियों की पूर्व ज्ञान की कमी, अनुपस्थिति तथा शिक्षकों द्वारा सहयोग न मिलना मेरे लिए चुनौतिपूर्ण रहा।3–4 महीनों के बाद जब विद्यार्थी मेरे साथ शिक्षण कार्य में सहयोग देने लगे तो मुझे लगा कि अब ये भी शिक्षण के प्रति जागरूक हुए है।

इसी बीच विद्या भवन सोसायटी की तरफ से आयोजित समय–समय की कार्यशालाओं तथा विज्ञान शिक्षण को प्रायोगिक बनाने हेतु दिए गए विज्ञान किट ने इस कार्यक्रम को सरकारी तंत्र की रटन शिक्षा से बिल्कुल अलग कर दिया। इस कार्यक्रम के तहत मेरे द्वारा विद्यालय में विद्यार्थियों को चार्ट, मॉडल आदि बनाने को प्रेरित किया गया। मैंने साकरोदा विद्यालय में विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी आयोजित करवाई गई, जिसको वहाँ के शिक्षकों में भी काफी सराहा। इससे मेरे अंदर नेतृत्व भावना का विकास हुआ।

चूंकि मैं स्वयं गणित का छात्र हूँ तथा जीव विज्ञान संबंधी कुछ विषयों में मेरी समझ कम थी परन्तु विद्या भवन की शिक्षा संबल टीम के समय–समय पर इस पर मेरे मार्गदर्शन से तथा बायो विज्ञान संबंधित चार्ट, चित्रों के सृजन से मेरा इस विषय में ज्ञान भी बढ़ गया। आज मैं भी जीव विज्ञान सहज रूप से पढ़ा पा रहा हूँ।

इस कार्यक्रम ने हमें शिक्षण के अलावा ग्रामीण समाज से जुड़ने का भी अवसर प्रदान किया। विद्यालयों में किस प्रकार विभिन्न कार्य आयोजित होते हैं, इसका ज्ञान भी मुझे प्राप्त हुआ। शिक्षा संबंल कार्यक्रम से जुड़कर में काफी ऐसे लोगों से मिला जो समाज सेवा से जुड़े हैं। साथ ही शिक्षा क्षेत्र में भी अपना ऊँचा नाम रखते हैं।शायद मेरे लिए यह अनुभव और भी नया था क्योंकि इससे पहले मैं कभी इन गाँवों की तरफ गया ही नहीं।

इस कार्यक्रम से जुड़ने से सबसे ज्यादा लाभ मुझे यह मिला कि किस प्रकार आप अपनी बात लोगों के समक्ष रख पाते हैं। क्योंकि वे शिक्षक जो पहले इस कार्यक्रम से अनजान थे, वे आज हमारे द्वारा किए गए कार्यों की वजह से हमसे उम्मीद लगाते हैं कि हम इस विद्यालय में रहकर बच्चों के साथ काम करें।

शिक्षा संबल कार्यक्रम ने मुझ में और शायद मेरे जैसे अन्य FI's में एक टीम भावना का विकास किया है। इस कार्यक्रम से मुझे सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की प्रतिभाओं को बाहर निकालने के समय–समय पर अवसर मिले। कई अवसरों पर विद्यार्थियों से मुझे भी सीखने को मिला।

प्रतिकूल परिस्थितियों में भी, संसाधन अभाव में भी हम किसी कार्य को कितना उन्नत बना सकते हैं यह शिक्षा इस कार्यक्रम के तहत मुझे मिली।इस प्रकार शिक्षा संबंल कार्यक्रम ने न केवल शिक्षण संबंधी मेरे ज्ञान, तकनीक को सुधारा बल्कि समाज में अपने आप को किस प्रकार रखा जाए इसका भी मुझे शिक्षण करवाया।

मैं हरीश सुथार इस कार्यक्रम, जिंक तथा विशेष रूप से विद्या भवन सोसायटी को सदैव धन्यवाद दुँगा कि उन्होंने मुझे भी कुछ सीखने, करने के अवसर प्रदान किए।

Harish Suthar

22/11/2017